

## इंडोनेशिया का पाम ऑयल नरियात प्रतर्बिंध और भारत पर इसका प्रभाव

### प्रलिमिन्स के लयि:

इंडोनेशिया का पाम ऑयल नरियात प्रतर्बिंध और भारत पर इसका प्रभाव, बायोडीज़ल, खाद्य तेल- तेल पाम पर राष्ट्रीय मशिन

### मेन्स के लयि:

कृषिसंसाधन, खाद्य सुरक्षा, सरकारी नीतयिँ और हस्तक्षेप

## चर्चा में क्योँ?

हाल ही में इंडोनेशिया जो कविश्व का सबसे बड़े पाम ऑयल (Palm Oil) उत्पादक, नरियातक और उपभोक्ता देश है, द्वारा घोषणा की गई है कविह खाना पकाने के तेल की घरेलू कमी तथा इसकी बढ़ती कीमतों को कम करने हेतु कमोडिटी और इसके कच्चे माल के सभी नरियातों पर प्रतर्बिंध लगाएगा।

- भारत अपनी पाम ऑयल की सालाना ज़रूरत का आधा हसिसा यानी 8.3 मलियन टन का आयात इंडोनेशिया से करता है। इस प्रकार इंडोनेशिया द्वारा आरोपित नरियात प्रतर्बिंध भारत के हतिों को प्रभावित करेगा।

## प्रमुख बडि

### पाम ऑयल तथा इसके उपयोग:

- पाम ऑयल एक खाद्य वनस्पति तेल है जसिँ ऑयल पाम फल (Fruit of the Oil Palms) के मेसोकार्प (लाल गूदे) से प्राप्त कयिा जाता है।
- इसका उपयोग खाना पकाने, सौंदर्य प्रसाधन, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, केक, चॉकलेट, स्प्रेड, साबुन, शैम्पू और सफाई उत्पादों से लेकर जैव ईंधन तक हर चीज़ में कयिा जाता है।
  - बायोडीज़ल (Biodiesel) बनाने में कच्चे पाम ऑयल के इस्तेमाल को 'ग्रीन डीज़ल' करार दयिा गया है।
- इंडोनेशिया और मलेशिया मलिकर वैश्विक पाम ऑयल का लगभग 90% का उत्पादन करते हैं, इसमें भी इंडोनेशिया की हसिसेदारी अधिक है जसिने वर्ष 2021 में 45 मलियन टन पाम ऑयल का उत्पादन कयिा।
- पाम ऑयल उद्योग आलोचना के दायरे में आ गया है क्योकि इसके नरितर उत्पादन के कारण **वनों की कटाई** में वृद्धि हुई है, साथ ही श्रम के शोषणकारी तरीकों के कारण औपनिवेशिक युग जैसी परसिथिति उत्पन्न हो गई है।
  - हालाँकि पाम ऑयल को इसलयि भी पसंद कयिा जाता है क्योकि यह सस्ता है; सोयाबीन जैसे कुछ अन्य वनस्पति तेल संयंत्रों की तुलना में पाम ऑयल का प्रतर्बिंध अधिक उत्पादन होता है।

## वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं हेतु पाम ऑयल का महत्त्व:

- संयुक्त राज्य अमेरिका के कृषिविभाग (USDA) के अनुसार, वर्ष 2020 में पाम ऑयल का वैश्विक उत्पादन 73 मलियन टन (MT) से अधिक होने के साथ ही यह विश्व में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल कयिा जाने वाला वनस्पति तेल है।
  - चालू वति वर्ष 2022-23 में इसका उत्पादन 77 मीट्रिक टन होने का अनुमान है।
- रॉयटर्स के अनुसार, सबसे व्यापक रूप से उपयोग कयिा जाने वाले चार प्रमुख खाद्य तेलों (पाम, सोयाबीन, रेपसीड (कैनोला) और सूरजमुखी का तेल) की वैश्विक आपूर्ति में पाम ऑयल की हसिसेदारी 40% है।
- वैश्विक रूप से पाम ऑयल की 60% आपूर्ति इंडोनेशिया द्वारा की जाती है।

## खाद्य तेलों की कीमतों में बढ़ोतरी का कारण:

- भारत पाम ऑयल का सबसे बड़ा आयातक है। वैकल्पिक वनस्पति तेलों की कम आपूर्ति के कारण मांग बढ़ने से इस वर्ष पाम ऑयल की कीमतों में तेज़ी आई है।

- सोयाबीन तेल का दूसरा स्थान है जिसका सबसे अधिक उत्पादन किया जाता है, इसके भी इस साल प्रभावति होने की संभावना है क्योंकि इसके प्रमुख उत्पादक अर्जेंटीना में सोयाबीन उत्पादन हेतु इस बार मौसम अनुकूल नहीं है।
- पछिले साल कनाडा में सूखे के कारण कैनोला तेल का उत्पादन प्रभावति हुआ था और सूरजमुखी तेल जिसका 80-90% उत्पादन रूस और यूक्रेन द्वारा किया जाता है, की आपूर्ति जारी संघर्ष के कारण बुरी तरह प्रभावति हुई है।
- महामारी से प्रेरति शर्म की कमी तथा महामारी और यूक्रेन संकट से जुड़ी वैश्विक खाद्य मुद्रास्फीति के कारण खाद्य तेल की वैश्विक कीमतों में पछिले साल के अंत से बहुत अधिक वृद्धि हुई है।

## भारत पर प्रभाव:

- भारत पाम ऑयल का सबसे बड़ा आयातक है, जो इसके वनस्पति तेल की खपत का 40% हिस्सा है।
- भारत अपनी सालाना ज़रूरत का आधा (8.3 मीट्रिक टन) पाम ऑयल इंडोनेशिया से आयात करता है।
- इससे उन लोगों की संख्या में वृद्धि होगी जो पहले से ही रिकॉर्ड-उच्च थोक मुद्रास्फीति से जूझ रहे हैं।
- यह महत्त्वपूर्ण है कि पछिले साल केंद्र ने भारत के घरेलू पाम ऑयल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये खाद्य तेल पर राष्ट्रीय मशिन-पाम ऑयल को आरंभ किया।

## आगे की राह

- घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना: भारत की खाद्य आवश्यकताओं के लिये पाम ऑयल से संबंधित लाभों को देखते हुए, भारतीय किसानों को देश में पाम ऑयल के उत्पादन को बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिये।
  - इस दशा में उठाया गया खाद्य तेल पर राष्ट्रीय मशिन- पाम ऑयल एक सही कदम है।
- विविधीकरण: भारत को अपनी खरीद के साथ-साथ आवश्यकताओं में भी विविधता लानी चाहिये।
  - सर्वप्रथम भारत को अन्य देशों से अधिक पाम ऑयल की खरीद पर ध्यान देना चाहिये।
  - साथ ही साथ साल, महुआ, जैतून, जटरोफा, नीम, जोजोबा, जंगली खुबानी, अखरोट आदि जैसे वृक्षों से उत्पन्न तलहन (TBOs) को एक विकल्प के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

## स्रोत: द हनिदू

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/indonesia-palm-oil-export-ban-its-impact-on-india>

